उत्तर प्रदेश

ई-संदेश

23 अगस्त, 2018 • वर्ष 1, अंक 31

सात दिन – सात पृष्ठ

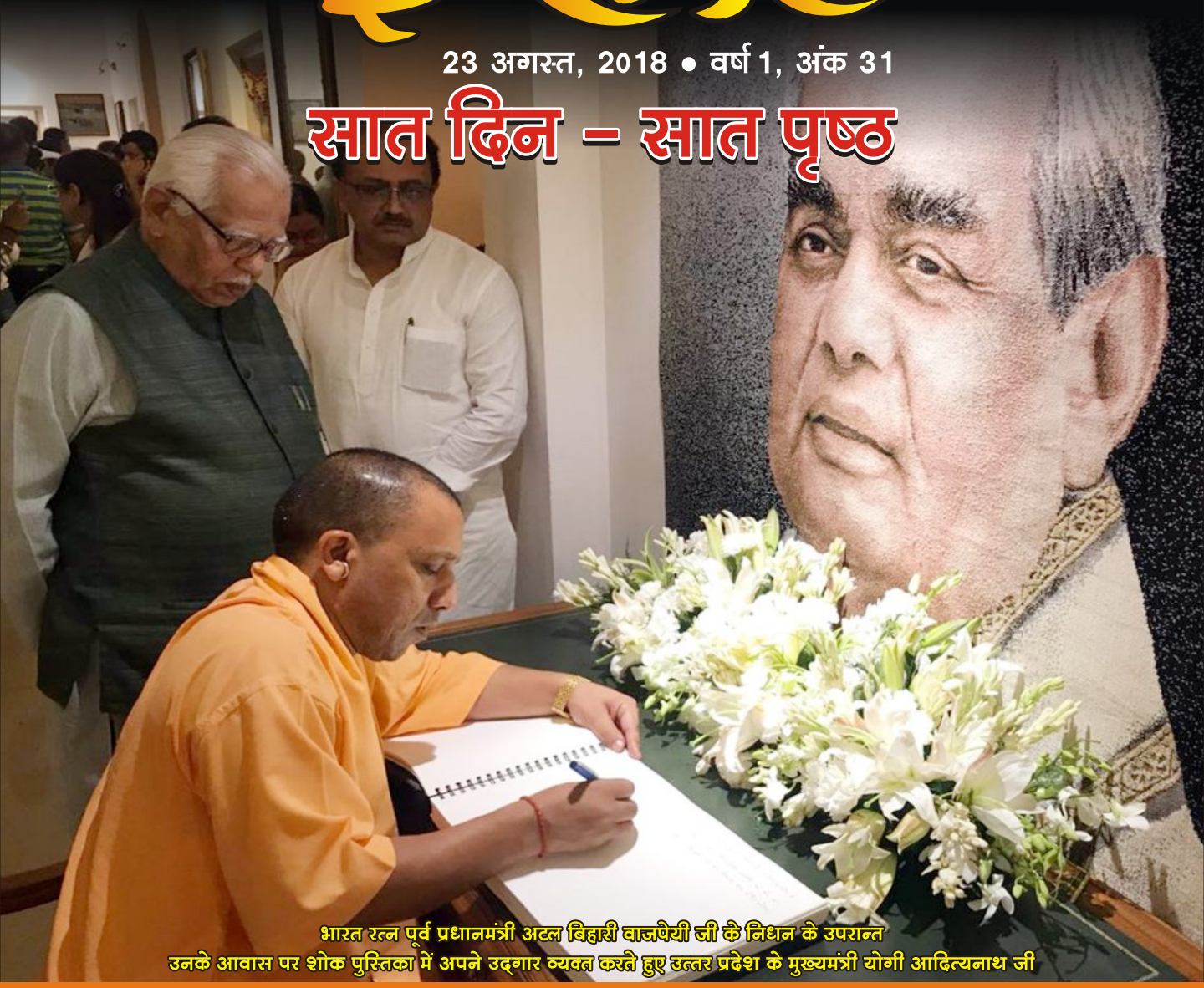

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के निधन के उपरान्त
उनके आवास पर शोक पुस्तिका में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

- प्रदेश के समस्त जनपदों की मुख्य नदियों में प्रवाहित की जाएंगी अटलजी की अस्थियां
- अटल बिहारी वाजपेयी जी का निधन भारत की राजनीति के महायुग का अवसान : मुख्यमंत्री
- न्यू इण्डिया के संकल्प को साकार करेगी उत्तर प्रदेश सरकार • एक ही दिन में प्रदेश में रोपे गए 9.26 करोड़ पौधे
- यूपी में 42 वर्षों बाद लागू होगी अग्रिम जमानत की व्यवस्था • 3630 करोड़ के निवेश प्रोजेक्ट प्रोत्साहन प्रस्तावों को स्वीकृति

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

भारतीय राजनीति में मूल्यों और आदर्शों के प्रतीक थे अटलजी : मुख्यमंत्री

अटल बिहारी वाजपेयी जी का निधन भारत की राजनीति के महायुग का अवसान

भारत की राजनीति में मूल्यों और आदर्शों को प्राथमिकता देने वाले, स्वतंत्र भारत के ढांचागत विकास के दूरदृष्टा, भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का निधन भारत की राजनीति के महायुग का अवसान है। राष्ट्र के प्रति अटल बिहारी वाजपेयी जी की सेवाओं के दृष्टिगत उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया गया था। अटल जी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के मार्गदर्शन में राष्ट्र–सेवा के संस्कार ग्रहण किए थे।

एक ओजस्वी वक्ता और प्रखर सांसद के रूप में अटल जी की विशिष्ट पहचान थी। भारतीय संसद की गौरवशाली परम्पराओं को समृद्ध करने के लिए अटल जी को 'सर्वश्रेष्ठ सांसद' का पुरस्कार भी प्रदान किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ सार्वजनिक जीवन में सहभागी होने और संसद में कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

अटल बिहारी वाजपेयी जी के निधन पर शोकाकुल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के अनुसार अटल जी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। अटल जी लोकप्रिय और सर्वमान्य नेता थे, जिनका सभी सम्मान करते थे। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में अटल जी जैसा विराट व्यक्तित्व मिलना कठिन है। उनका 6 दशक का निष्कलंक राजनैतिक जीवन हमेशा याद किया जाएगा। अटल जी ने राजनीति को मूल्यों और सिद्धान्तों से जोड़कर देश में सुशासन की आधारशिला रखी थी।

राजनीति को समावेशी स्वरूप देने वाले महानायक

मुख्यमंत्री जी के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने राजनीति को समावेशी स्वरूप प्रदान करते हुए देश में व्याप्त राजनैतिक अस्थिरता के माहौल को स्थायित्व में परिवर्तित किया था। अटल जी ने आधारभूत ढांचे के विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए बहुआयामी कार्य किए। उनका मानना था कि देश के विकास का केन्द्र बिन्दु ग्रामीण भारत ही हो सकता है। अपने प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी जी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को मूर्तरूप दिया, जिसके कारण देश के ग्रामीण इलाकों को पक्के मार्गों से जोड़ा गया है।

'भारत मार्ग विधाता' थे अटलजी

अटल जी द्वारा लागू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के विकास के बड़े द्वार खोलने का काम किया। मेट्रो रेल के संचालन में उनके कार्यकाल में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी के योगदान का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अटल जी को 'भारत मार्ग विधाता' बताया था। परमाणु शक्ति का परीक्षण कर अटल जी ने भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र घोषित किया। कारगिल युद्ध के दौरान धैर्यपूर्वक प्रभावी कार्यवाही करते हुए अटल जी ने भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया। भारत के विदेश मंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में भाषण देकर ऐतिहासिक पहल की थी। अटल बिहारी वाजपेयी जी के स्वर्गवास से भारत माता ने अपना एक महान सपूत खो दिया है। अटल जी के निधन से राष्ट्र को जो क्षति हुई है उसकी भरपायी होना कठिन है। ■

उत्तर प्रदेश से अटल जी का अटूट सम्बन्ध : सीएम

उत्तर प्रदेश अटल जी की कर्मभूमि रहा है। उनके दादा जनपद आगरा के प्राचीन स्थान बटेश्वर के निवासी थे। अटल जी ने एम.ए. की शिक्षा डी.ए.वी. कॉलेज कानपुर में ग्रहण की थी। वर्ष 1957 में बलरामपुर से विजयी होकर वे पहली बार लोकसभा में पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने लोकसभा में लखनऊ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश और अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए अविस्मरणीय कार्य किए थे। अटल जी लोकसभा के लिए लखनऊ से 5 बार सांसद निर्वाचित हुए।

श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी एवं श्रीमती कृष्णा देवी की सन्तान अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे। वे 1962 में राज्य सभा तथा 1967 में चौथी लोकसभा के सांसद निर्वाचित हुए। 1968–73 तक वे भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष रहे। 1971 में पांचवीं लोकसभा तथा 1977 में छठी लोकसभा के लिए वे सांसद निर्वाचित हुए। अटल बिहारी वाजपेयी जी 1977–79 तक भारत के विदेश मंत्री रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी जी 16 मई, 1996 से 31 मई, 1996 तक भारत के प्रधानमंत्री तथा 1996–97 में लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1998 में बारहवीं लोकसभा के लिए सांसद निर्वाचित होने के बाद वे 1998–99 तक पुनः भारत के प्रधानमंत्री रहे। 1999 में अटल जी तेरहवीं लोकसभा के लिए सांसद निर्वाचित हुए तथा 13 अक्टूबर, 1999 से मई, 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। अटल जी चौदहवीं लोकसभा के लिए वर्ष 2004 में सांसद निर्वाचित हुए।

अटल जी के संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियों, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल–जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव और अनुभूतियों ने उनकी कविताओं में हमेशा अभिव्यक्ति पायी। राजनीति में आने से पहले अटल जी पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे। उन्होंने 'राष्ट्रधर्म', 'पांचजन्य' और 'वीर अर्जुन' आदि राष्ट्रीय भावना से ओत–प्रोत पत्र–पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। ■

देशवासियों को किसी अपने के खोने का अहसास : राज्यपाल

राष्ट्रवाद के प्रणेता, सुशासन के संवाहक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का निधन देशवासियों को किसी अपने को खोने का एहसास कराता है। अटल जी जन-जन के नेता थे, जिन्होंने अपने कुशल नेतृत्व से न केवल देश के विकास को गति दी, बल्कि विश्व पटल पर तेजी से उभरती हुई नई शक्ति के रूप में भी स्थापित किया। 1959 में भारतीय जनसंघ मुंबई में स्थानीय कार्यकर्ता के रूप में राजनैतिक जीवन प्रारम्भ करने वाले राम नाईक जी को 1962 में अटल जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। अपने व्यक्तिगत एवं राजनैतिक जीवन में अटल जी के साथ 56 वर्ष जुड़े रहकर विभिन्न आयामों में कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक जी ने अपने कुछ चित्रात्मक संस्मरण साझा किए।

मंबई के महाधिवेशन स्थल से सार्वजनिक सभा की ओर निकली 5 किलोमीटर लम्बी शोभा यात्रा में अटल जी, राम नाईक और अटल जी के अभिन्न सहयोगी शिव कुमार।

1994 में राम नाईक कैंसर से पीड़ित हुए तब उनके निवास पर मिलने के लिये आये अटल जी। साथ में राम नाईक की पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक, पुत्रियां विशाखा और डॉ० निशिगंधा।

भारतीय जनता पार्टी के कार्य के लिये अटल बिहारी वाजपेयी को मुंबई से एकत्र रुपये एक करोड़ की थैली भेंट की। छायाचित्र में बाएं से वेद प्रकाश गोयल, डॉ० बसंत कुमार पंडित, राम नाईक और राम जेठमलानी।

'पुनश्च हरि ओम्'। कैंसर रोग पर विजय पाने के बाद फिर से सक्रिय हुए राम नाईक के कार्यवृत्त का प्रकाशन करते हुए अटल जी। (दाएं से) विद्याधर गोखले, राम नाईक की पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक, गोपीनाथ मुण्डे, माधव मराठे और अन्य।

कार्यवृत्त प्रकाशन समारोह में राम नाईक का सम्मान करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी।

कारगिल युद्ध के समय देश की सहायता के लिए अपने पति के निधन के बाद सुहाग के आभूषण श्रीमती पर्वा द्वारा अर्पण किए गए। श्रीमती पर्वा द्वारा अर्पित आभूषण को अटल बिहारी वाजपेयी को सौंपते हुए राम नाईक एवं कीर्ति सोनीया।

प्रदेश के समस्त जनपदों की मुख्य नदियों में अटलजी की अस्थियां प्रवाहित

उत्तर प्रदेश, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की कर्मभूमि रहा है। उत्तर प्रदेश के हर क्षेत्र से वाजपेयी जी का गहरा लगाव था। अत: प्रदेश सरकार द्वारा जनभावनाओं का सम्मान करते हुए स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की अस्थियां प्रदेश के समस्त जनपदों की मुख्य नदियों में प्रवाहित की गयीं, जिससे राज्य की जनता को भी उनकी अन्तिम यात्रा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

– योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री

अटल जी एक विचारधारा का नाम

अटल बिहारी वाजपेई जी के निधन से भारतीय राजनीति में एक गहरा शून्य पैदा हो गया है और इसकी भरपाई होना आसान नहीं है। अटल जी एक विचारधारा का नाम है आज वो शशरीर भले ही हमारे बीच में नहीं है लेकिन उनका बताया हुआ एक–एक वाक्य, उनके द्वारा किए गए कार्य जीवन पर्यन्त हम सबका मार्ग प्रशस्त करेंगे।

– डॉ. दिनेश शर्मा
उप मुख्यमंत्री

अटलजी के सपनों को पूरा करेंगे

अटल बिहारी वाजपेयी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्ण चतुर्भुज सड़क योजना भी उनकी ही सोच थी। अटलजी ने देश की तरक्की के लिए जो सपने देखे थे, उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा किया जायेगा।

– केशव प्रसाद मौर्या
उप मुख्यमंत्री

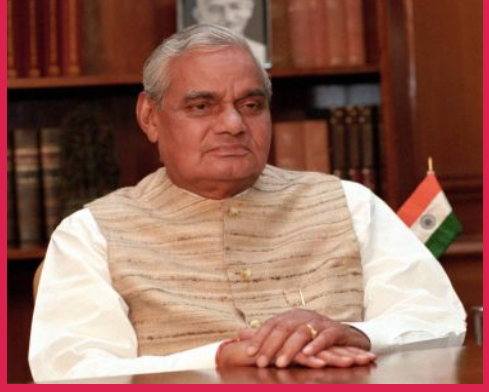

श्रद्धेय अटल जी का पूरा जीवन राष्ट्र व समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। विपक्ष की राजनीति में भी उनके भाषण, वाकपटुता व राजनीतिक शैली की सभी राजनीतिक दल प्रशंसा करते रहे। उनका संघर्षमय जीवन व मूल्य आधारित राजनीति हमारा पाथेय है। उनकी विचारनिष्ठा अनुकरणीय है। हम उन्हें अतीत में नहीं सोच सकते। उनका व्यक्तित्व, कृतित्व और मार्गदर्शन सदा देश के साथ रहेगा। उन्होंने कहा था कि भारत को लेकर मेरी एक दृष्टि है, ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनके निधन से भारत ने एक ऐसे सर्वप्रिय राजनेता व विराट व्यक्तित्व को खो दिया है जिसकी भरपाई होना संभव नही हैं।

– हृदय नारायण दीक्षित
अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विधान सभा

अटलजी पार्टी से ऊपर उठकर देश और समाज की चिंता करते थे। उन्हें कोई कवि के रूप में, कोई नेता, कोई प्रधानमंत्री, कोई विचारक तो कोई लेखक व संपादक के रूप में याद करेगा। उनके सिद्धांत हर भारतीय का मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारतीय राजनीति के इतिहास में अटल अध्याय स्वर्णिम अध्याय होगा।

– सिद्धार्थनाथ सिंह
स्वास्थ्य मंत्री

यह विश्वास करना कठिन है कि अटल जी हमारे बीच नहीं हैं। अटल जी राजनीतिक होते हुए भी समग्रता को समेटे हुए थे, विचारों में दृढ़ होते हुए भी उदार प्रवृत्ति के थे और सबसे ऊपर एक भावुक कवि हृदय के स्वामी थे। उनके जाने से राजनीति, साहित्य और सामाजिक क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति हुई है। वे हम सबके हृदयों में हमेशा जीवित रहेंगे।

– रीता बहुगुणा जोशी
महिला कल्याण, परिवार कल्याण, मातृ–शिशु कल्याण, पर्यटन मंत्री

अटलजी एक युगपुरुष और लोगों के दिलों पर राज करने वाले जन नायक थे। उनकी नीतियों पर आज भी सम्पूर्ण देश गर्व करता है। उनके बताये हुए कार्यक्रमों और नीतियों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

– सुरेश कुमार खन्ना
संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री

न्यू इण्डिया के संकल्प को साकार करेगी सरकार

वंचित और उपेक्षित वर्गों को विकास की मुख्य धारा में लाना सरकार की प्राथमिकता

समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को विकास की मुख्य धारा में लाना सरकार की प्राथमिकता है। विगत कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश में कई नए कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 8.85 लाख आवास तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 4.38 लाख आवास आवंटित कर उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिन लोगों के सर पर छत नहीं थी, उनको प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास दिया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 87 लाख गरीब महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन तथा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 1.03 लाख व्यक्तिगत 'इज्जत घर' का निर्माण कराया गया। इस प्रकार शौचालय उपलब्ध कराने में भी प्रदेश ने अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

'आयुष्मान भारत' से सर्वसुलभ होंगी चिकित्सा सुविधाएं

प्रधानमंत्री जी ने समाज के वंचित, पिछड़े एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'आयुष्मान भारत' योजना प्रारम्भ की है। इसके अन्तर्गत चिन्हित परिवारों को 5 लाख रुपये प्रति परिवार, प्रतिवर्ष निःशुल्क चिकित्सा बीमा सुविधा सूचीबद्ध राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएगी। इस योजना के लागू हो जाने से प्रदेश के लगभग 6 करोड़ गरीब लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

कड़े संघर्ष से मिली स्वाधीनता अत्यन्त मूल्यवान :सीएम

गांधीजी की 150वीं जयन्ती पर दो वर्ष के लिए वृहद कार्य योजना

कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को मिलेगा रोजगार

कड़े संघर्ष से मिली स्वाधीनता हम सबके लिए अत्यन्त मूल्यवान और प्रेरणादायी है। देश की स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के प्रयासों के चलते ही आज देश स्वतंत्र है। इन शहीदों ने समाज को नयी दिशा देते हुए देश को राजनैतिक रूप से एक सूत्र में पिरोने का अद्भुत काम किया।

यह विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 72वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधान भवन में ध्वजारोहण के अवसर पर व्यक्त किए।

गरीबी, शोषण और भ्रष्टाचार से मुक्त होगा न्यू इण्डिया

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने **'संकल्प से सिद्धि'** का जो मंत्र हमें दिया है, वह देश को एकजुट बनाए रखने में प्रभावी सिद्ध होगा। शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने नये भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। उनका संकल्प है देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ अर्थात वर्ष 2022 तक एक नए, श्रेष्ठ, स्वच्छ और खुशहाल भारत का निर्माण किया जाए। इस 'न्यू इण्डिया' में गरीबी, शोषण, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, सम्प्रदायवाद, भाई–भतीजावाद तथा जातिवाद का कोई स्थान नहीं होगा।

युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार दिलाने की तैयारी

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर दो वर्ष के लिए वृहद कार्य योजना तैयार की गई है। उत्तर प्रदेश खुले में शौच मुक्त (ओ.डी.एफ.) होने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2022 तक हर नागरिक को छत मुहैया कराने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए काम किया जा रहा है। खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश ने गन्ना उत्पादन, अन्य खाद्यान्न उत्पादन में भी महत्वपूर्ण बढ़त ली है। राज्य की अर्थव्यवस्था को तेजी से विकसित करने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश में सुरक्षा व प्रशासनिक अमले में आमूल–चूल परिवर्तन की वजह से निवेश के लिए सकारात्मक माहौल बन चुका है। ■

स्वतंत्रा दिवस पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम की अभूतपूर्व उपलब्धि

एक ही दिन में प्रदेश में रोपे गए 9.26 करोड़ पौधे

मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश को हरा–भरा और प्रदूषमुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश में वृहद स्तर पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम के प्रति जनता में इतना अधिक उत्साह था कि निर्धारित 9 करोड़ पौधरोपण के लक्ष्य को पार करते हुए प्रदेश में मात्र एक ही दिन में 9.26 करोड़ पौधे रोपित किए गए, जो कि अपने आप में एक अद्भुत रिकार्ड है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भी किया पौधरोपण

अभियान के अन्तर्गत प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक जी द्वारा रिवर फ्रण्ट, गोमतीनगर, लखनऊ एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा कुसमही वन, गोरखपुर में वृक्षारोपण किया गया।

प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में भारत सरकार व प्रदेश सरकार के मंत्रिगण, सांसद, विधायक, जन प्रतिनिधिगण, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, सेना के जवानों, दिव्यांगजन, निराश्रित व अनाथ बच्चों सहित समाज के वंचित वर्ग के सदस्यों, कृषकों, औद्योगिक इकाइयों, रेजीडेन्ट वेलफेयर सोसाइटी, स्वयंसेवी संगठनों, ईको क्लब, लायन व रोटरी क्लब, नेहरू युवा केन्द्र के सदस्य, एन.एस.एस. के विद्यार्थियों सहित समाज के विभिन्न वर्गो द्वारा भी पौध रोपण किया गया।

गंगा हरीतिमा अभियान के अन्तर्गत गंगा के किनारों पर रोपे गए पौधे

विशेष वृक्षारोपण अभियान में गंगा हरीतिमा अभियान के अन्तर्गत वृक्ष भण्डारा एवं वृक्षदान से प्राप्त पौधे रोपित किये गये। विशेष वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में मृदा व कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुसार यथासम्भव स्थानीय प्रजातियों का रोपण किया गया। रोपित की गयी मुख्य प्रजातियों में पाकड़, पीपल, बरगद, जामुन, नीम, आंवला, कदम्ब, कंजी, गूलर, शीशम, नींबू के पौधे शामिल हैं।

पौधरोपण बाद उनकी सुरक्षा का भी ध्यान

मुख्यमंत्री जी ने लक्ष्य से अधिक पौध रोपण के अवसर पर पर इससे जुड़े सभी सम्बन्धित विभागों व प्रदेश की जनता को उसकी सक्रिय भागीदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि इतने बड़े पैमाने पर किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति सजगता का संकेत है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पौधों के रोपण के बाद उनकी सुरक्षा और देखभाल का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। वृक्षों की हमारे जीवन में काफी उपयोगिता है। पर्यावरण की शुद्धता एवं सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। इसलिए अधिकाधिक वृक्षारोपण किया जाएगा। राज्य सरकार वृक्षारोपण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

देश की सीमाओं की रक्षा में योगदान दे रहा है सशस्त्र सीमा बल : मुख्यमंत्री

सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) बहादुरी एवं सतर्कता के साथ देश की सीमाओं की रक्षा में अपना योगदान दे रहा है। सशस्त्र सीमा बल ने अपनी स्थापना के बाद सीमान्त क्षेत्रों तथा विभिन्न आपदाओं में अपनी मेहनत एवं कार्यों से एक अलग पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री जी ने यह विचार गोरखपुर में सशस्त्र सीमा बल की पासिंग आउट परेड की सलामी के बाद आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि एस.एस.बी. पर नेपाल से सटी सीमाओं की निगरानी का दायित्व है, जिसका निर्वहन इस बल द्वारा पूरी निष्ठा के साथ किया जा रहा है। देश की अति संवेदनशील सीमाओं की सुरक्षा के लिए एस.एस.बी. द्वारा अपनी सहभागिता दी जाती है। उनकी सहभागिता को ध्यान में रखकर भारत–भूटान सीमा की निगरानी का दायित्व भी एस.एस.बी. को दिया गया है। इस बल ने सीमाओं पर अवैध कार्यों को भी प्रभावी ढंग से रोका है। एस.एस.बी. द्वारा अतिवादियों, उग्रपंथियों एवं अन्य अराजक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। यह बल एक रोल माडल के रूप में सामने आया है। विभिन्न आपदाओं के समय भी एस.एस.बी. ने राहत कार्य में काफी सहयोग किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ रहने पर कांस्टेबलों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

विद्युत पोल, ट्रांसफामर्स तथा कंडक्टर की गुणवत्ता की जांच

प्रदेश की विद्युत व्यवस्था की गुणत्ता में सुधार के दृष्टिगत आयोजित एक बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशानुसार उ.प्र. पावर कारपोरेशन द्वारा एक माह के भीतर अपने सभी भण्डार गृहों का विशेष आडिट सुनिश्चित कराया जायेगा। भण्डार गृहों से जारी की गयी सामग्री के प्रयोग की भी जांच–पड़ताल एक माह में सुनिश्चित की जायेगी। विद्युतीकरण के लिए क्रय की जा रही सामग्री विशेषकर खम्भे, ट्रांसफॉर्मर तथा कंडक्टर आदि की गुणवत्ता जांचने की वर्तमान प्रणाली को और सुदृढ़ किया जायेगा। एक माह की अवधि में पावर कारपोरेशन मुख्यालय स्तर से छापे मारकर सामग्री के नमूने एकत्रित किये जाएंगे और उनकी जांच प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं से कराकर, गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर अनुबन्ध के अन्तर्गत कार्रवाई के साथ गम्भीर मामलों में अपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया जायेगा। ■

21 अगस्त 2018 को सम्पन्न प्रदेश कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

यूपी में 42 वर्षों बाद लागू होगी अग्रिम जमानत की व्यवस्था

आपातकाल के समय उत्तर प्रदेश में अग्रिम जमानत की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। कैबिनेट ने प्रदेश में अग्रिम जमानत की व्यवस्था पुनः लागू करने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (यूपी संशोधन) अधिनियम 1976 को विधानमंडल में प्रस्तुत करने हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस विधेयक में प्रावधान है कि अग्रिम जमानत की सुनवाई के समय अभियुक्त की उपस्थिति अनिवार्य नहीं होगी।

गंभीर अपराधों में नहीं मिलेगी अग्रिम जमानत

गंभीर अपराधों जैसे विधि विरूद्ध क्रियाकलाप, गैंगस्टर और समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम तथा ऐसे अपराध, जिनमें मृत्युदंड तक के प्रावधान हों, में अग्रिम जमानत नहीं मिलेगी। अग्रिम जमानत की अंतिम सुनवाई के समय न्यायालय द्वारा लोक अभियोजक को सुनवाई के लिए नियत तिथि के कम से कम सात दिन पूर्व नोटिस भेजने तथा जमानत संबंधी आवेदन पत्रों को निस्तारण 30 दिन की समय सीमा में करने का भी प्रावधान है।

चन्दौली में बनेगा 400 बेड का सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल

शीरा नियंत्रण अधिनियम में बदलाव के माध्यम से बढ़ेगा एथनॉल का उत्पादन

खांडसारी इकाइयों को मिलेगा शुल्क समाधान योजना का लाभ

तिल निर्यात पर मिलेगी मण्डी शुल्क में छूट, नहीं कराना होगा अलग से पंजीकरण

सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो की सेवा नियमावली में संशोधन को स्वीकृति

3630 करोड़ के निवेश प्रोजक्ट प्रोत्साहन प्रस्तावों को स्वीकृति

वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में लायी गयी नई औद्योगिक निवेश तथा रोजगार प्रोत्साहन नीति–2017 के अन्तर्गत स्थापित किए जाने वाले 10 मेगा प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहन तथा सुविधाएं देने हेतु कैबिनेट ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

3630 करोड़ रूपये का होगा निवेश, 3491 लोगों को मिलेगा रोजगार

स्वीकृत किए गए 10 प्रोजेक्ट्स के माध्यम से 3630 करोड़ रूपये का पूंजी निवेश होगा, जिससे नए प्रोजेक्ट्स की स्थापना तथा पहले से संचालित प्रोजेक्ट्स के विस्तारीकरण के कार्य होंगे तथा इससे आने वाले दिनों में लगभग 3491 लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

पूर्वांचल में पॉच प्रोजेक्ट्स होंगे स्थापित

जिन 10 इककाइयों को प्रोत्साहन एवं विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं, उनमें 5 प्रोजेक्ट्स पूर्वांचल में अमेठी, गोरखपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी तथा इलाहाबाद में स्थापित हो रहे हैं। मध्यांचल में तीन प्रोजेक्ट स्थापित होंगे, जिनमें दो फर्रूखाबाद तथा एक रायबरेली में होगा। पश्चिमांचल के दो प्रोजक्ट्स में से एक बुलंदशहर और एक मेरठ में स्थापित होगा। नए प्रोजेक्ट्स के लिए बिजली कंपनियों से बिजली क्रय करने पर इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में छूट मिलेगी।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए, निदेशक डॉ. उज्ज्वल कुमार द्वारा प्रकाशित. सम्पादक : सुहेल वहीद अंसारी